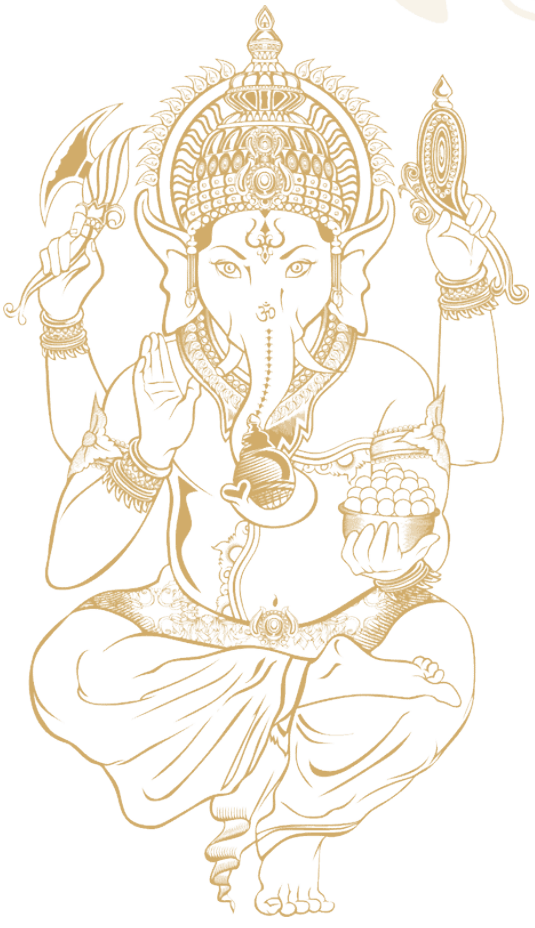

aasheesh

himani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121951501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121951501 Date: 16/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/09/1996	जन्म तिथि	28/08/2000
मंगल-बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:09:00	जन्म समय	16:32:00 घंटे
घटी 55:22:44	जन्म समय(घटी)	26:29:07 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:54	सूर्योदय	05:56:21
18:42:28	सूर्यास्त	18:50:59
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:43

कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृष	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
कृतिका	नक्षत्र	आश्लेषा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	4
हर्षण	योग	परिघ
बव	करण	शकुनि
ए-एकलव्य	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
मेष	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
गरूड़	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 10मा 17दि		23:26:35	कर्क	लग्न	धनु	29:46:58	बुध 2वर्ष 3मा 14दि	
राहु		17:52:20	सिंह	सूर्य	सिंह	11:34:33	शुक्र	
23/07/2014		08:02:36	वृष	चंद्र	कर्क	28:12:16	12/12/2009	
22/07/2032		02:28:25	कर्क	मंगल	कर्क	23:44:19	12/12/2029	
राहु	04/04/2017	09:40:24	कन्या	बुध	सिंह	17:45:25	शुक्र	13/04/2013
गुरु	28/08/2019	14:00:31	धनु	गुरु	वृष	15:43:17	सूर्य	13/04/2014
शनि	04/07/2022	02:44:01	कर्क	शुक्र	कन्या	02:50:09	चन्द्र	13/12/2015
बुध	21/01/2025	11:51:22	मीन व	शनि	वृष	06:54:51	मंगल	11/02/2017
केतु	08/02/2026	14:30:08	कन्या	राहु व	कर्क	00:11:18	राहु	12/02/2020
शुक्र	08/02/2029	14:30:08	मीन	केतु व	मक	00:11:18	गुरु	13/10/2022
सूर्य	03/01/2030	07:20:45	मक व	हर्ष व	मक	24:18:37	शनि	12/12/2025
चन्द्र	05/07/2031	01:26:46	मक व	नेप व	मक	10:30:47	बुध	12/10/2028
मंगल	22/07/2032	06:41:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:18:21	केतु	12/12/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:43

लग्न-चलित

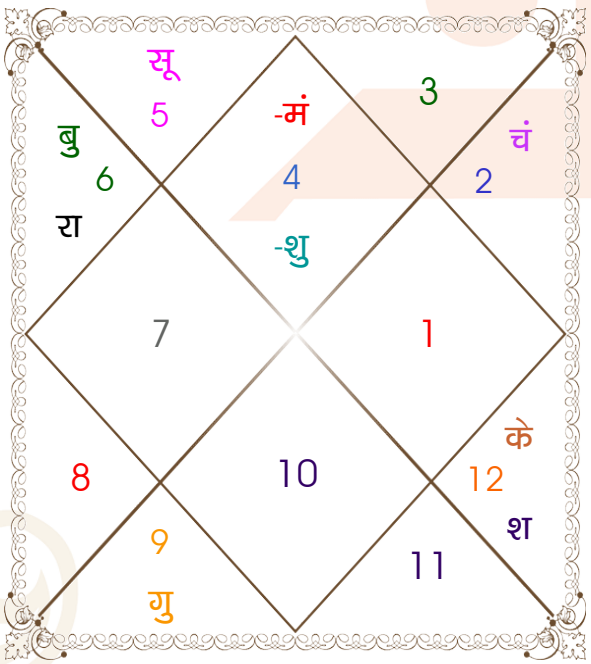

लग्न-चलित

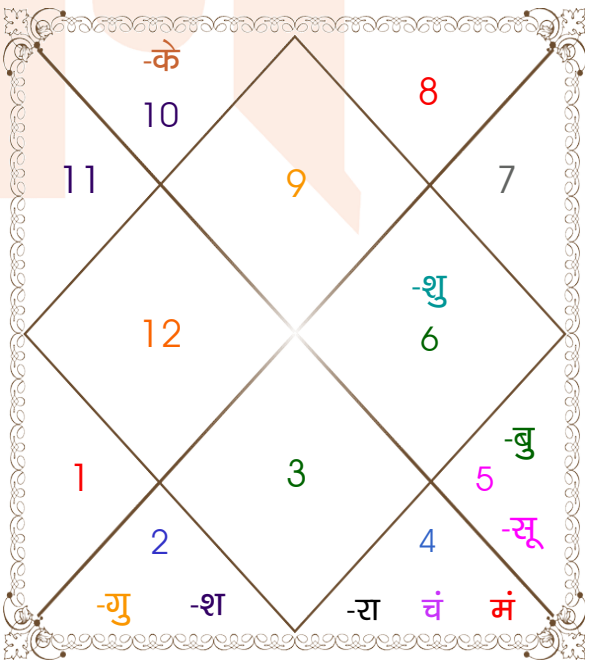

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

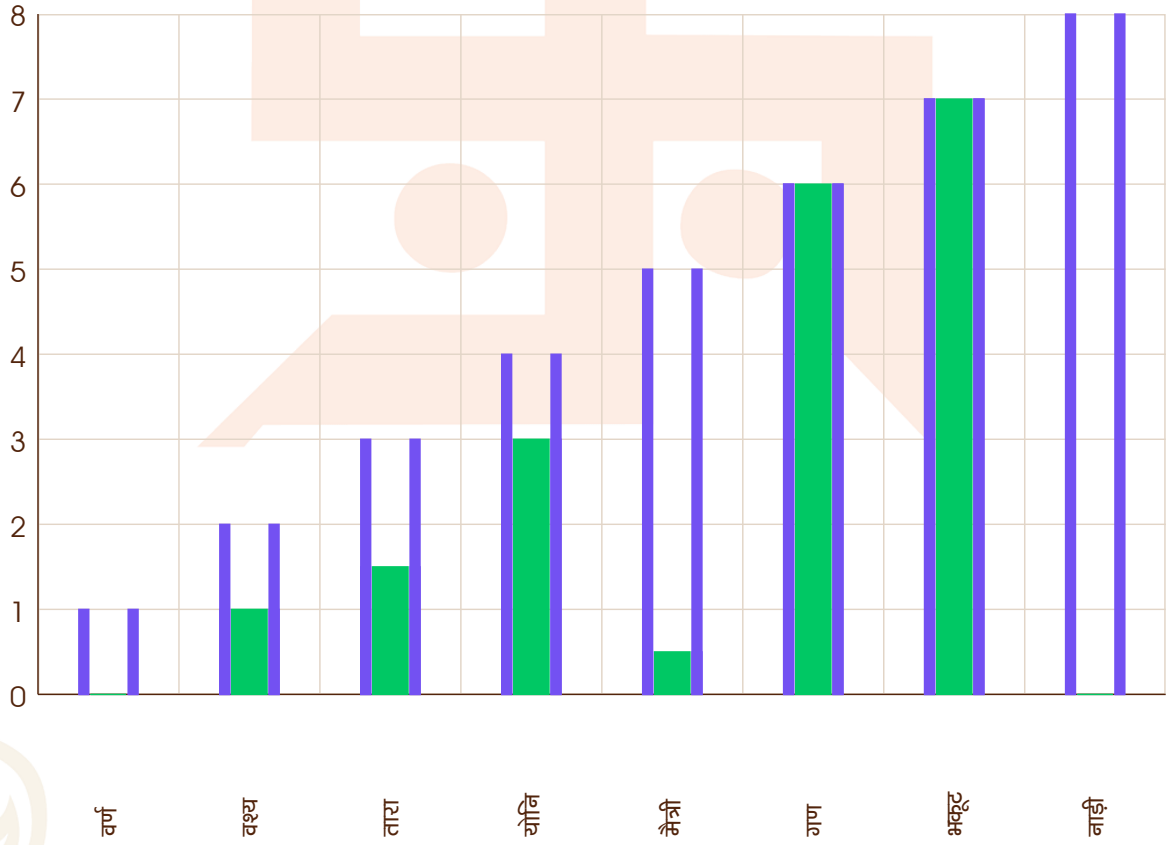

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

aasheesh का वर्ग गरूड़ है तथा himani का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार aasheesh और himani का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

aasheesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ष्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल aasheesh कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

himani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ष्;थ्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल himani कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु himani कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि himani कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु aasheesh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

aasheesh तथा himani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

aasheesh का वर्ण वैश्य है तथा himani का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि himani का वर्ण aasheesh के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। himani अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। himani को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

aasheesh का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं himani का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। aasheesh एवं himani दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में aasheesh एवं himani दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

aasheesh की तारा क्षेम तथा himani की तारा वध है। himani की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह aasheesh एवं himani दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। himani अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

aasheesh की योनि मेष है तथा himani की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में aasheesh का राशि स्वामी himani के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि himani का राशि स्वामी aasheesh के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

aasheesh का गण राक्षस है तथा himani का गण भी राक्षस है। अर्थात himani का गण aasheesh के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण aasheesh एवं himani दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

aasheesh से himani की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा himani से aasheesh की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण aasheesh अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर himani सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

aasheesh की नाड़ी अन्त्य है तथा himani की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। aasheesh एवं himani की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

aasheesh की जन्म राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है तथा himani की जलतत्व युक्त कर्क राशि है। जलतत्व एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समानता होती है। अतः aasheesh और himani के स्वभाव एवं प्रवृतियों में समानता होगी फलतः उनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा।

aasheesh और himani के राशि स्वामी परस्पर शत्रु एवं सम है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। अतः भावनात्मक स्तर पर इन दोनों में विषमता का भाव रहेगा। himani का स्वभाव स्वतंत्र प्रवृति का रहेगा तथा स्वेच्छा अनुसार वे कार्य करना पसंद करेंगी परन्तु aasheesh की प्रवृति इसके विपरीत रहेगी। इस प्रकार परस्पर मतभेदों के कारण विशेष खुशी की प्राप्ति अल्प ही होगी।

aasheesh और himani की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त विषमताओं में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम एवं स्नेह के भाव से रहकर सांसारिक सुखो का उपभोग करेंगे। साथ ही इच्छित मात्रा में धनार्जन भी होगा एवं पारिवारिक सुविधाओं पर भी व्यय करेंगे।

aasheesh का वश्य चतुष्पद एवं himani का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर की समानता रहती है। अतः इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता के कारण परस्पर सन्तुष्टि एवं प्रसन्नता बनी रहेगी। वे एक दूसरे की काम भावनाओं को शान्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

aasheesh का वर्ण वैश्य है इसके प्रभाव से वह व्यापारिक दृष्टि से कार्य कलाप एवं धनार्जन करेंगे परन्तु himani का ब्राहमण वर्ण होने के कारण शैक्षणिक तथा धार्मिक क्षेत्रों में रूचि रहेगी तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

aasheesh और himani की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। aasheesh और himani की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

himani एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

aasheesh और himani दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे himani का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा himani के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवं aasheesh हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिए aasheesh और himani दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से aasheesh और himani का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त aasheesh और himani के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में himani के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन himani को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में himani को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से aasheesh और himani सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार aasheesh और himani का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

himani के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी himani को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः himani को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ himani के संबध

अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से himani सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

aasheesh के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही aasheesh भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी aasheesh के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण aasheesh के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।